19

नूह और भारी बाढ़

परमेश्वर केर वचन सेने कहानी, बाइबिल

मा पावा जात है

उत्पति ६-१०

"तुमरे वचन केरे द्वारा प्रकाश मिलत है |"
भजन सहिंता ११९:१३०

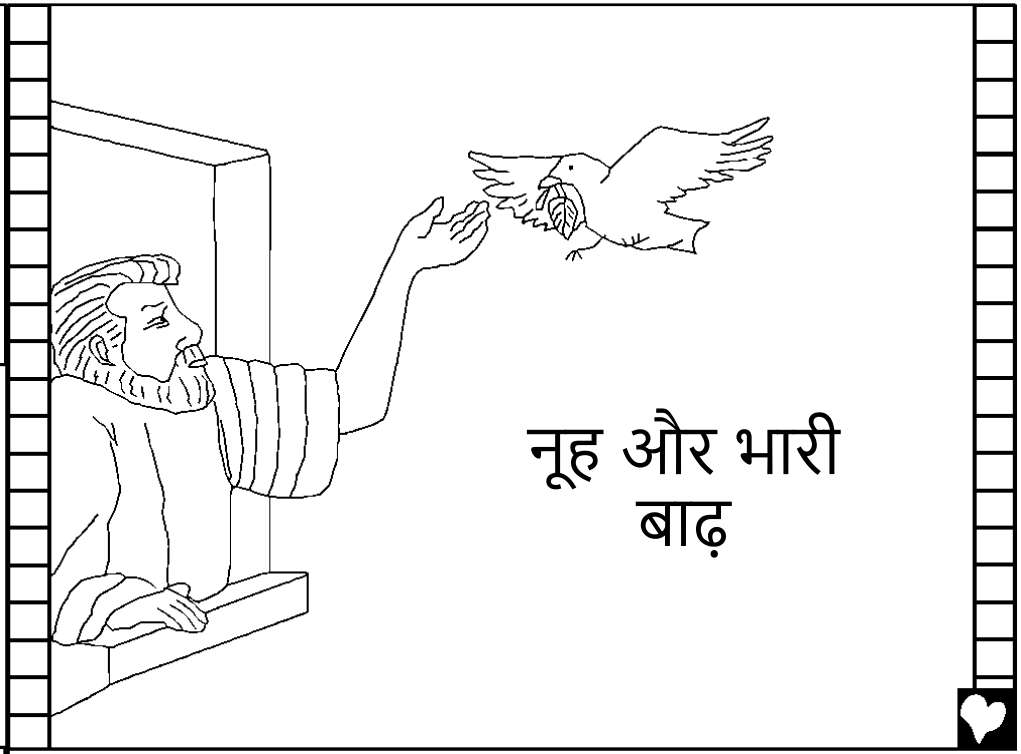

नूह और भारी बाढ़

लिखा गवा Edward Hughes
प्रकाशित Byron Unger; Lazarus

अनुवाद Vijay Kumar
रूपांतरण M. Maillot; Tammy S.

साठ(६०) कि तीसर (3) कहानी

M1914.org

Bible for Children, PO Box 3, Winnipeg MB R3C 2G1 Canada

अनुज्ञा : आप लोगन का कहानी का प्रतिलिपि और छपाई करेक अधिकार है,
जब तक आप इका बेचत नाही है |

परमेश्वर जानत है कि हम सब लोग बुरा काम किये हाँ जिका ऊ पाप बोलत है पाप केर दंड खली मृतु है है |

परमेश्वर हमसे इतना प्रेम करत है कि ऊ आपन इकलौता पुत्र हमका हमरे पापं केर खतिर दई दीस ताकि हमार पाप उके द्वारा छमा होई जाए | येशु फिर जिन्दा होई गए और स्वर्ग माँ चले गए अब परमेश्वर हमरे पापं का छमा कर सकत है |

अगर हमका अपने पापन से फिरेक है तब ई परमेश्वर से बोले: प्रिय परमेश्वर हम विश्वास करीत है कि येशु हमरे पापन खातिर मारा गवा और जी उठा | कृपया हमरे जीवन मा आओ और हमरे पापन का छमा करो ताकि हमरे पास नवा जीवन होए तब हम जीवन भर तुमरे साथ रही | हमका अपने बच्चन जैसे जिए के खातिर मदद करो | युहन्ना 3:16

बाइबिल पढ़े और परमेश्वर से बात करे |

अवधी Awadhi

1

2

परमेश्वर नूह का बोलिन कि एक बडवार बाढ़ आइह्वे और पूरे धरती पर छह जाई। सुनो एक लकड़ी केर संदूक केर निर्माण करो एक पानी केर जहाज तुमरे परिवार और जानवरन केरे खातिर बड़ा होई।
परमेश्वर नूह का सटीक निर्देश दिहिन और नूह उमा व्यस्त होई गवा।
3

हुवा बहुत जने नूह केर मजाक बनाए लगे कि नूह काहे ऊ जहाज बनावत रहाए। नूह भवन बनावेम लगा रहाए। और ऊ और लोगन का परमेश्वर केर बारे में बतावत रहाए। लेकिन कौनो नहीं सुनो।
4

नूह मा बहुत बड़ा विस्वास रहाए। ऊ हुवा तक भी आपन विश्वास करिस रहाए कि जब तक पानी भी कभी हुवा नही गिरा रहाए। और बहुत जल्दी नूह केर संदूक लोड केर साथ तैयार रहाए।
5

जानवरन का लाइन। परमेश्वर उमन सेने सात प्रजातिया लाइन दुई का मिलाके के बडवार और छोटे पक्षियाँ का संदूक मा आएक लिए उमा रास्ता बनेइयन।
6

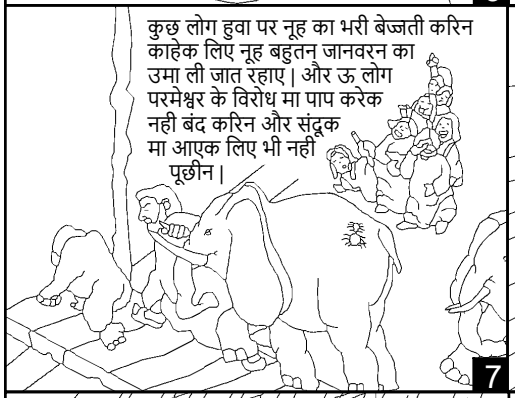
कुछ लोग हुवा पर नूह का भरी बेज्जती करिन काहेक लिए नूह बहुतन् जानवरन का उमा ली जात रहाए। और ऊ लोग परमेश्वर के विरोध मा पाप करेक नही बंद करिन और संदूक मा आएक लिए भी नही पूछीन।
7

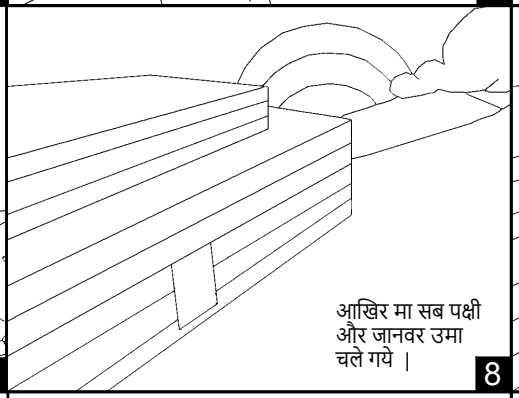
आखिर मा सब पक्षी और जानवर उमा चले गये।
8

तब परमेश्वर नूह से बोलिन कि संदूक मा आओ, तुम और तुमार परिवार, नूह और तुम्हार पत्नी, और उके तीन बेटवा और उनकर पत्नी संदूक मा आई गये। तब परमेश्वर दरवाजा बंद कर दीन
9

तब हुवा पानी गिरे लगा। और भारी बारिश सेने पृथिवी चालीस दिन और चालीस रात भीगे लाग।
10

बाढ़ केर पानी पुरे गाँव और सहर मैह्या फ़ैल गवा। जब बारिश बंद होई गे तबहू पहाड़ पानी केरे खाले हते। जौने जौने हवा मैहा सांस लीन्हिस ऊ मरी गा।
11

जेसेह बाढ़ केर पानी उठा वैसेहे जहाज पहाड़ पर रुक गवा। शायद उएह्के अंदर अधेर होई गवा रहाए, या उबड़ खाबड़ रहाए, डरों हता। जहाज नूह का बाढ़ तेरे बचाए लिनिहिस।
12

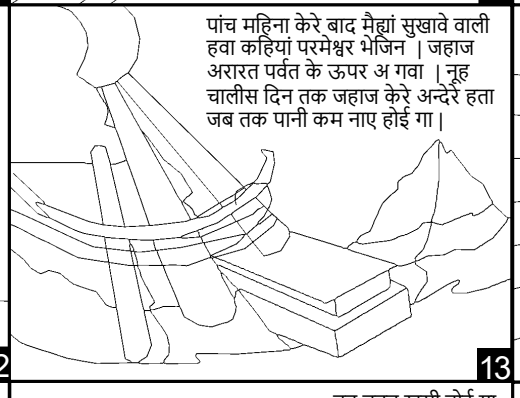
पांच महिना केरे बाद मैह्यां सुखावे वाली हवा कहियां परमेश्वर भेजिन। जहाज अरारत पर्वत के ऊपर अ गवा। नूह चालीस दिन तक जहाज केरे अन्देरे हता जब तक पानी कम नाए होई गा।
13

नूह खिड़की खोलिन और कबूतर का उद्वाइय दीन। आराम करेक खातिर जब उका सूख जगह नाए मिली तो वापस नूह के पास लौट आवा।
14

एक हफ्ता केरे बाद उई फिर एक कबूतरी केरे उड़ा दिनिह। ऊ शाम तक का अपने चोवांच मैह्यां नवा जौतुन केर पत्ता दाब के लावा। अगले हफ्ता कहियां नूह कैहयां पता हता कि पृथिवी सूख गए है काहेक मारे जौने कबूतर भेएयजा हातीं ऊ वापस नाए अवा हता।
15

परमेश्वर नूह का बतावे लाग कि अब तुम जहाज कहिया छोड़े केर समय आ गवा है अपने परिवार सहित और सगरे जानवर समेत सब जने नीचे उतर आओ।
16

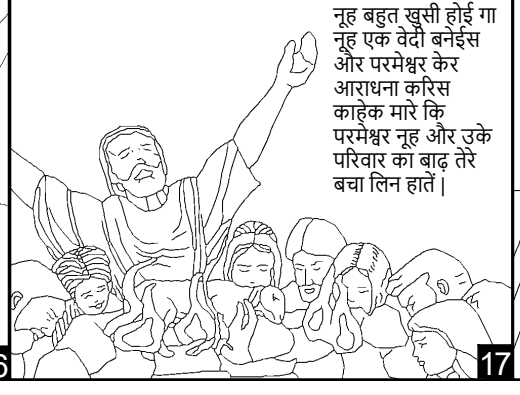
नूह बहुत खुसी होई गा नूह एक वेदी बनेईस और परमेश्वर केर आराधना करिस काहेक मारे कि परमेश्वर नूह और उके परिवार का बाढ़ तेरे बचा लिन हातें।
17

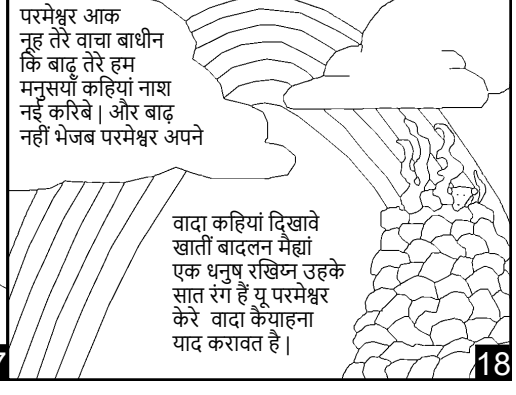
परमेश्वर आक नूह तेरे वाचा बाधीन कि बाढ़ तेरे हम मनुसयाँ कहियां नाश नई करिबे। और बाढ़ नहीं भेजब परमेश्वर अपने
वादा कहियां दिखावे खातीं बादलन मैह्यां एक धनुष् रखिन्न उहके सात रंग हैं यू परमेश्वर केरे वादा केयाहना याद करावत है।
18